Lok Sabha on the 2nd July 1971. In computing the financial assistance for the purpose of writing in the convertibility because assistance granted to the industrial concerns in the past would also be taken into consideration The term financial insitutions including the Life Insurance Corporation of India have commenced writing in the convertibility clauses in appropriate cases The actual option to convert the loans, in whole or in part, into equity will be exercised by the institutions later at the appropriate time, in accordance with the terms of the convertibility clause written in the loan agreements.

According to the guidelines, the decision to convert loans into equity was not applied to the loans given by the nationalised banks

**रिजर्व बैंक ग्राफ इण्डिया द्वारा सौ तथा पांच के नोट छापना**

900 श्री लम्बोदर बलियार : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि (क) क्या रिजर्व बैंक ग्राफ इंडिया द्वारा छापे जा रहे सौ और पांच रुपये के नोट साबुन के पानी मे घुलने के बाद रग छोड देते हैं तथा बाद मे रिजर्व बैंक उन्हे नही बदलता है ;

(ख) यदि हा, तो गत एक वर्ष मैं इस प्रकार के कितने मामले रिजर्व बैंक के समक्ष ग्राये हैं ग्रौर बैंक की उस पर क्या प्रतिक्रया है, ग्रौर

(ग) इस प्रकार के रग उड़े हुए नोट न बदलने के क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में उप-मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) (क) . भारतीय रिजर्व बैंक के लिये बैंक नोट इण्डिया सिक्योरिटी प्रैस, नासिक द्वारा छापे जाते हैं । साधारणतय. सौ रुपये ग्रौर पांच रुपये के नोटों पर ग्रौर ग्रन्य मूल्यों के नोटो पर भी साबुन के पानी मे घुलने का कोई ग्रसर नही पड़ता । केवल जब इन नोटो को काफी समय तक रंग काट (ब्लीचिंग पाउडर) वाले पानी मे उबाला या पकाया जाये तब संभव है कि इनका रग कट जाये । ऐसे धुले हुए नोट भी रिजर्व बैंक द्वारा बदल दिये जाते हैं यदि इन पर मूल छपाई के चिन्ह विद्यमान हो, जिनसे नोट के मूल्य, क्रम संख्या, हस्ताक्षर ग्रादि का स्पष्ट रूप से पता चलता हो ।

(ख) ग्रौर (ग) 1971-72 मे भारतीय रिजर्व बैंक मे 52,960 धुले/ग्रर्ध-धुले नोट प्राप्त हुए, जिनमे से ग्रब तक 43,635 नोट बदले जा चुके हैं । 2,633 नोट रद्द कर दिये गये हैं क्योकि उन पर छपाई के चिन्ह बिल्कुल दिखाई नही देते थे । ग्रन्य मामलो की जाच की जा रही है ।

**Resumption of U.S. aid to India**

901. SHRI P.K DEO :
SHRI PILOO MODY

Will the Minister of FINANCE be pleased to state·

(a) whether attention of Govrnment has been drawn to a report in the "Hindustan Times" of the 21st June 1972 under the caption "Resumption of, U S. Aid unlikely";

(b) whether Government have received any report in regard to U.S. economic aid from our Mission in Washington; and

(c) if so, the broad outlines thereof and the action taken or proposed to be taken to fill up the likely gap arising out the stoppage of U.S. economic aid for financing the Fourth Five Year Plan.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN : (a) Yes, Sir.

(b) and (c). Government of India have received from time to time reports from our Embassy in Washington in regard to U.S. economic aid to India. There has been no basic change so far in the U.S. position since it announced suspension of its aid to